सामाजिक विज्ञान (कोड–087)

कक्षा 10 – सत्र 2019–20

प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 3

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. प्रश्न–पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है– 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

खण्ड–क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें और पुनः लिखे– 1

5 मार्च, 1931 को सविनय अवज्ञा आन्दोलन पर हस्ताक्षर हुए और इरविन समझौता वापस लिया गया।

उत्तर

5 मार्च, 1931 को **इरविन समझौते** पर हस्ताक्षर हुए और **सविनय अवज्ञा आन्दोलन** वापस लिया गया।

2. नीचे दिए गए चित्र को पहचान कर सही विकल्प का चयन करें– 1

(a) बायोगैस संयंत्र

(b) पवन ऊर्जा संयंत्र

(c) सौर ऊर्जा संचालित इलेक्ट्रॉनिक दुग्ध परीक्षण उपकरण

(d) कोयला खदान का बाह्य दृश्य

उत्तर (a) बायोगैस संयंत्र

3. नीचे दिया गया कार्टून निम्न विकल्पों में से क्या दर्शाता है?

(a) संसद पर आंतकवादी हमला

(b) महिला आरक्षण विधेयक संसद में पास क्यों नहीं हो पाया

(c) सांसदों का भाई–भतीजावाद

(d) सांसदों का आपसी मनमुटाव

उत्तर (b) महिला आरक्षण विधेयक संसद में पास क्यों नहीं हो पाया

4. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन कॉर्न ला की सही से पुष्टि करता है? 1

(a) इंग्लैण्ड में मक्का के आयात को प्रतिबंधित करना।

(b) इंग्लैण्ड में मक्का के आयात को अनुमति प्रदान करना।

(c) मक्का पर कर को लागू करना।

(d) मक्का की बिक्री को बन्द करना।

उत्तर (a) इंग्लैण्ड में मक्का के आयात को प्रतिबंधित करना।

5. निम्नलिखित को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए– 1

1. ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी की स्थापना।
2. भारत में बम्बई में पहली कपड़ा मिल की स्थापना।
3. बंगाल में पहली जूट मिल की स्थापना।

4. स्पिनिंग जेनी मशीन का आविष्कार।

(a) 2-4-1-3 (b) 1-4-2-3

(c) 1-2-3-4 (d) 2-1-3-4

उत्तर (b) 1-4-2-3

6. केरल ने शिशु मृत्यु दर को कम किया है क्योंकि- 1

(a) राज्य के लोग बहुत धनवान है।

(b) केरल की जलवायु बहुत ही अनुकूल है।

(c) राज्य में स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधा के लिए पर्याप्त आधारभूत व्यवस्थाएँ उपलब्ध हैं।

(d) लोग पर्याप्त पोषक आहार लेते है तथा व्यसनों के आदी नहीं है।

उत्तर (c) राज्य में स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधा के लिए पर्याप्त आधारभूत व्यवस्थाएँ उपलब्ध हैं।

7. ..... ऋण की लागत ऋण का बोझ बढ़ाती है। 1

उत्तर उच्च

अथवा

..... केंद्रीय सरकार की ओर से करेंसी नोट जारी करता है।

उत्तर भारतीय रिज़र्व बैंक

8. निम्नलिखित तालिका को विश्व व्यापार संगठन के सम्बन्ध में सही जानकारी के साथ पूरा कीजिए- $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$

विश्व व्यापार संगठन	पुराना नाम	स्थापना वर्ष	मुख्यालय
	GATT	(A)-?	(B)-?

उत्तर

(A) - 1995

(B) - जिनेवा, स्विटजरलैण्ड

9. श्रीलंका में सिंहली भाषा को एकमात्र राजभाषा कब घोषित किया गया? 1

(a) 1952 में (b) 1954 में

(c) 1956 में (d) 1958 में

उत्तर (c) 1956 में

10. प्रिंटिंग प्रेस 16वीं शताब्दी के मध्य में वृद्धि के साथ पहली बार भारत में ..... में आई थी। 1

उत्तर गोवा

अथवा

..... अधिनियम को आइरिश प्रेस लॉ पर बनाया गया था।

उत्तर वर्नाक्यूलर प्रेस

11. "भारत कुछ विशेष प्रकार के संसाधनों में धनी है, परन्तु कुछ अन्य क्षेत्रों में अपूर्ण भी है।" इस कथन के समर्थन में कोई एक उदाहरण दीजिए। 1

उत्तर

अरुणाचल प्रदेश में जल संसाधन की कोई कमी नहीं है, परंतु यहाँ मूलभूत संरचना के विकास की कमी है।

12. ..... दुनिया के सबसे पुराने राजनीतिक दलों में से एक है। 1

उत्तर कांग्रेस

अथवा

देश की प्रत्येक राजनीतिक पार्टी को ..... में पंजीकरण कराना पड़ता है।

उत्तर चुनाव आयोग

13. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए- 1

	सूची-**I**		सूची-**II**
1.	भारतीय संघ	क	प्रधानमंत्री
2.	राज्य	ख	सरपंच
3.	नगर निगम	ग	राज्यपाल
4.	ग्राम पंचायत	घ	मेयर

उत्तर 1-क, 2-ग, 3-घ, 4-ख

14. लोहा-इस्पात उद्योग के लिए प्रमुख कच्चा माल क्या है? 1

उत्तर

लोहा-इस्पात उद्योग के लिए प्रमुख कच्चा माल लौह-अयस्क, कोकिंग कोयला और चूने का पत्थर है।

अथवा

लोहा-इस्पात उद्योग एक आधारभूत उद्योग क्यों है?

उत्तर

क्योंकि दूसरे अन्य सभी उद्योग इस पर निर्भर करते हैं।

15. किसी राज्य में विधानसभा के चुनाव में भाग लेने वाले तीन दल 'क', 'ख' और 'ग' हैं और कुल स्थान 250 हैं। दल 'क' को चुनाव में 60 स्थान, 'ख' को 80 स्थान तथा 'ग' को 110 स्थान प्राप्त होते हैं। इन तीनों दलों में से स्पष्ट बहुमत 126 स्थान प्राप्त न करने के कारण कोई भी दल सरकार बनाने की स्थिति में नहीं है। अब यदि 'ख' और 'ग' दल आपस में गठजोड़ कर लें, तो उनकी सदस्य संख्या $80 + 110 = 190$ हो जाएगी और इन दोनों दलों का स्पष्ट बहुमत हो जाएगा और वे सरकार बनाने में सफल हो जाएँगे। ऊपर दी गई जानकारी का विश्लेषण करते हुए बताइए कि यह किस ओर संकेत करती है-

(a) एक दलीय प्रणाली में संयुक्त सरकार बनाने की स्थिति उत्पन्न हो जाना।

(b) बहुदलीय प्रणाली में संयुक्त सरकार बनाने की स्थिति उत्पन्न हो जाना।

(b) एक दलीय प्रणाली में एकल सरकार बनाने की स्थिति उत्पन्न हो जाना।

(d) बहुदलीय प्रणाली में एकल सरकार बनाने की स्थिति उत्पन्न हो जाना।

उत्तर (b) बहुदलीय प्रणाली में संयुक्त सरकार बनाने की स्थिति उत्पन्न हो जाना।

16. नेदीमबाचेरी अंतर्राष्ट्रीय वायु पत्तन किस राज्य में स्थित है?

उत्तर केरल।

अथवा

आयात-निर्यात के कुल मूल्य का अंतर क्या कहलाता है?

उत्तर व्यापार संतुलन।

17. निम्नलिखित में से कौन-सा लोकतंत्र के अनुकूल नहीं है? 1

(a) व्यक्ति की गरिमा (b) व्यक्ति की आजादी

(c) आर्थिक समानता (d) राजनीतिक समानता

उत्तर (c) आर्थिक समानता

18. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें- 1

कथन (A) : मिट्टी, जलवायु और खेती के तरीकों में भिन्नता के आधार पर फसलें उगाई जाती हैं।

कारण (R) : पानी की उपलब्धता के अनुसार भी फसलें उगाई जाती हैं।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सही है, लेकिन R गलत है।

(d) A और R दोनों गलत है।

उत्तर (b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

19. लोकतंत्र में बहुमत और अल्पमत के आपसी सम्बन्ध कैसे होने चाहिये? 1

उत्तर

लोकतंत्र में बहुमत को अल्पमत पर अपने विचार थोपने नहीं चाहिये। उन्हें मिलकर चलना चाहिये ताकि उनमें कोई भी कड़वाहट न रहे।

20. जब हम प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करके एक वस्तु का उत्पादन करते हैं, उसे किस क्षेत्र की क्रिया कहते हैं? 1

उत्तर प्राथमिक क्षेत्र।

खण्ड-ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

21. जलियाँवाला बाग की घटना का वर्णन कीजिए। इसके क्या प्रभाव पड़े? 3

उत्तर :

1. जलियाँवाला बाग की घटना का वर्णन-

(a) 13 अप्रैल, 1919 को अमृतसर में जलियाँवाला बाग की घटना हुई।

(b) उस दिन जलियाँवाला बाग के बंद अहाते में गाँव वालों की एक भीड़ इकट्ठी हुई थी।

(c) शहर में पहले से ही मार्शल लॉ लगा दिया गया था।

(d) जनरल डायर उस क्षेत्र में प्रविष्ट हुआ, उसने बाहर निकलने के सारे द्वार बंद करवा दिए तथा निहत्थे लोगों पर गोलियाँ बरसाने का हुक्म दे दिया। इस घटना में सैकड़ों लोग मारे गए।

2. इस घटना के प्रभाव निम्नलिखित थे-

(a) कई उत्तर भारतीय शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए।

(b) हड़तालें आयोजित की गई, पुलिस वालों के साथ संघर्ष हुए तथा सरकारी भवनों पर हमले किए गए।

(c) सरकार ने बहुत निर्दयी तरीके से जबाव दिया। लोगों को अपमानित तथा आतंकित किया गया।

अथवा

सविनय अवज्ञा आंदोलन असहयोग आंदोलन से भिन्न था। कथन की पुष्टि उदाहरणों सहित कीजिए।

उत्तर :

एक तरफ सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान चारों ओर हड़तालों, विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और प्रदर्शनों की गूँज से आसमान फटने लगा। सरकार द्वारा लगाए गए विभिन्न करों का विरोध किया गया। यहाँ तक कि किसानों ने भू-राजस्व और लगान देने से इंकार कर दिया। इस आंदोलन में महिलाएँ भी पुरुषों से पीछे न रही। उन्होंने विदेशी कपड़ों की दुकानों पर धरने दिए तथा वे ही सहर्ष जेल गईं।

दूसरी तरफ असहयोग आंदोलन के दौरान लोगों ने सरकार द्वारा दी गई पदवियाँ लौटा दीं। गाँधीजी का विचार था कि लोगों को सरकारी नौकरियों, सेना, पुलिस, अदालतों, विद्यार्थी परिषदों, स्कूलों और विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करना चाहिए। यदि सरकार दमन का रास्ता अपनाती है तो व्यापक सविनय अवज्ञा अभियान शुरू किया जाना चाहिए।

22. जाति प्रथा केवल नागरिकों को नहीं बल्कि भारतीय राजनीति को भी प्रभावित करती है। उदाहरण देकर इसे स्पष्ट कीजिए।

3

उत्तर :

जाति प्रथा के प्रचलन से नागरिकों के बीच वैमनस्य, असहयोग और घृणा की भावना उत्पन्न होती है। व्यक्ति अपने पुत्र और पुत्रियों की शादी केवल अपनी जाति में ही करना चाहते हैं और कई बार नवयुवक और नवयुवतियों को जाति बंधनों के कारण शिक्षित और प्रगतिशील होने के बावजूद भी ऐच्छिक वर या वधू से विवाह की अनुमति न मिलने पर अभिभावक या जातिगत पंचायतों के जुल्मों का शिकार तक होना पड़ता है।

राजनैतिक दल जाति के मुद्दे को बार-बार उछालकर ऐसी स्थिति उत्पन्न कर देते हैं कि जनता का विश्वास समाप्त होने लगता है और गठबंधन के आधार पर ही सरकार चलाने की नौबत आ जाती है। कई बार बड़े-बड़े राजनीतिक दल अपने प्रतिनिधियों का चयन करने के लिए जातियों की संख्या अर्थात् वोट की राजनीति करते हैं। मंत्रियों की नियुक्ति भी जातियों के प्रभाव और उन्हें खुश करने के लिए की जाती है। कई बार बड़े-बड़े राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को भी जाति के प्रभाव के सामने झुकना पड़ता है और एक भ्रष्ट प्रभावशाली जाति विशेष के नेता को ही मुख्यमंत्री पद पर बैठाए रखना पड़ता है।

अथवा

जाति प्रथा को समाप्त करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर :

सरकार द्वारा जाति प्रथा को समाप्त करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं-

1. भारतीय संविधान ने छुआछूत की कुरीति को संज्ञेय अपराध घोषित किया है।
2. भारतीय संविधान द्वारा दिया गया समानता और स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार सभी नागरिकों को सामाजिक न्याय और समानता की गारंटी देता है।
3. नीति निर्देशक सिद्धांतों के अधीन अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए संसद और राज्य विधानसभाओं में स्थान आरक्षित करने के साथ ही सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थाओं में भी उनके लिए पर्याप्त स्थान आरक्षित कर दिए गए हैं। अधिकांश राज्य सरकारों, प्रगतिशील राजनीतिक दलों और नेताओं ने अंतर्जातीय विवाहों को प्रोत्साहित किया है और उन्हें कानूनी तौर पर वैध माना जाता है।
4. पिछड़ी जाति के ज्यादा-से-ज्यादा लोगों को शिक्षा और प्रशिक्षण, छात्रवृत्तियाँ और निःशुल्क मार्गदर्शन और परामर्श दिया जा रहा है।
5. निम्न जाति के लोगों को सरकारी संस्थाएँ और बैंक न्यूनतम दरों पर ऋण दे रहे हैं ताकि वे अपने मनचाहे व्यवसाय और उद्योग-धंधे लगा सकें।

23. नीचे दिए गए स्रोतों को ध्यान से पढ़े और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें- $1 + 1 + 1 = 3$

स्रोत क

"कोयला मजदूरों और उनकी बीवियों के गिरोह की परेशानी के कारण..... क्योंकि उनकी बीवियों का काम स्पीनिंग इंजन के कारण छिन गया था..... शुरू में वे बड़े अड़ियल ढंग से आगे बढ़े। ऊन उत्पाद में अभी अपनाई गई मशीनों को वे टुकड़े-टुकड़े कर देना चाहते थे क्योंकि उनकी वजह से शारीरिक श्रम की माँग घटने वाली थी। औरतों ने हंगामा मचाया हुआ था। आदमियों को समझाना आसान था, इसलिए कुछ खींचतान के बाद उन्हे शांतिपूर्वक घर जाने के लिए तैयार कर लिया गया।"

स्रोत ख

"भारत के अन्य भागों में महीन कपड़ा बनाने वाले बुनकरों की तरह कोष्टियों का भी बुरा समय चल रहा है। वे मैनचेस्टर से इतनी भारी तादाद में आने वाली आकर्षक चीजों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। हाल के सालों में वे बड़ी संख्या में यहाँ से जाने लगे हैं। वे मुख्य रूप से बिहार का रूख कर रहे हैं जहाँ दिहाड़ी मजदूर के तौर पर उन्हें रोजी-रोटी मिल जाती है....."

स्रोत ग

"उस जमाने में दस घंटे की शिफ्ट होती थी। शाम पाँच बजे से सुबह तीन बजे तक काम के सबसे भयानक घंटे। मेरे पिताजी ने 35 साल नौकरी की। उन्हें दमा जैसी बीमारी हो गई और वे काम करने में लाचार हो गए। इसके बाद मेरे पिताजी गाँव चले गए।"

स्रोत क

23.1 कोयला मजदूर मशीन को क्यों नष्ट करना चाहते थे? 1

उत्तर :

इसका कारण था कि मशीन के कारण वे बेरोजगार हो गए थे।

स्रोत ख

23.2 कोष्टियों का बुरा समय क्यों चल रहा था? 1

उत्तर :

ऐसा इस कारण था कि वे मैनचेस्टर से आने वाली आकर्षक और सस्ती वस्तुओं का मुकाबला नहीं कर पा रहे थे।

स्रोत ग

23.3 उस जमाने में शिफ्ट का टाइम कितना था? 1

उत्तर :

उस जमाने में शिफ्ट 10 घंटे की होती थी।

24. भारत में ऊर्जा की समस्या को सौर ऊर्जा कैसे कुछ हद तक हल कर सकती है? अपने विचार लिखिए। 3

उत्तर :

आज भारत के ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में सौर ऊर्जा तेजी से लोकप्रिय हो रही है। ऐसी आशा की जाती है कि सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से ग्रामीण घरों की ईंधन के लिए उपलों और

लकड़ी पर निर्भरता कम होगी। प्रदूषण रहित ऊर्जा होने के कारण इससे पर्यावरण संरक्षण में सहायता मिलेगी। हमारे देश में ऊर्जा की समस्या को इस प्रकार कुछ हद तक कम कर सकते हैं। अतः हम कह सकते हैं कि भारत में सौर ऊर्जा का भविष्य काफी उज्ज्वल है और यह भारत में ऊर्जा की समस्या को कुछ हद तक हल कर सकती है।

अथवा

भारत में कोयले के पश्चात् ऊर्जा का प्रमुख स्रोत क्या है? इसके तीन लाभ लिखें।

उत्तर :

भारत में कोयले के पश्चात् ऊर्जा का प्रमुख साधन खनिज तेल है।

खनिज तेल के प्रमुख लाभ–

1. खनिज तेल का उपयोग ईंधन और प्रकाश के लिए होता है।
2. इसका उपयोग मशीनों में चिकनाई के लिए होता है।
3. खनिज तेल कई उद्योगों में कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाता है, जैसे– वस्त्र, खाद और पेट्रो–रसायन उद्योग में।

25. हरित क्रांति के बाद भारतीय कृषि में आए किन्हीं तीन परिवर्तनों का उल्लेख करें। 3

उत्तर :

1. अधिक उत्पादन के लिए उच्च उत्पादकता वाले बीज उपयोग किए जाते हैं, जैसे– चावल और गेहूँ के लिए।
2. सिंचाई के लिए नहरों का जाल बिछाया गया है जिससे शुष्क राज्यों को पानी की आपूर्ति की जा सके।
3. रासायनिक खाद, कीटनाशक आदि के प्रयोग से उत्पादन बढ़ा है।

26. अफ्रीका में आने के लिए यूरोपीयों के लिए प्रमुख आकर्षण के कारण क्या थे? 3

उत्तर :

1 यूरोपीय लोग बहुमूल्य खनिजों जैसे सोना, कोयला, चांदी आदि की खोज में अफ्रीका की ओर आकर्षित हुए।

2 अफ्रीका के विशाल भूक्षेत्र को देखकर वे इस ओर आकर्षित हुए।

3 वे अफ्रीका में बागानी खेती करने और खदानों का दोहन करना चाहते थे।

27. तकनीकी ने किस प्रकार वैश्वीकरण की प्रक्रिया को प्रेरित किया? 3

उत्तर :

निम्न प्रकार से तकनीकी या प्रौद्योगिकी ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को प्रेरित किया–

1. परिवहन तकनीक में कई सुधारों ने दूरस्थ स्थानों पर कम लागत पर वस्तुओं को भेजना में संभव बनाया हैं।
2. सूचना प्रौद्योगिकी में सुधार ने तो संसार के विभिन्न देशों को आपस में जोड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब हम तुरन्त सूचना प्राप्त कर सकते हैं।
3. सूचना तथा संप्रेषण तकनीक ने सेवाओं के विस्तार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उदाहरण के लिए इंटरनेट टेक्नोलॉजी द्वारा लंदन के पाठकों के लिए समाचार मैगजीन दिल्ली में मुद्रित की जा सकती है।

अथवा

वैश्वीकरण और उत्पादकों के बीच वृहत्तर प्रतिस्पर्धा से उपभोक्ताओं को लाभ हुआ है। उदाहरणों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर :

वैश्वीकरण और उत्पादकों के बीच वृहत्तर प्रतिस्पर्धा से उपभोक्ताओं को लाभ हुआ है। यह कथन बिल्कुल सत्य है। वैश्वीकरण और उत्पादकों, स्थानीय एवं विदेशी दोनों के बीच वृहत्तर प्रतिस्पर्धा से उपभोक्ताओं, विशेषकर शहरी क्षेत्र में धनी वर्ग के उपभोक्ताओं को लाभ हुआ है। इन उपभोक्ताओं के सामने पहले से ज्यादा अवसर हैं और वे अब अनेक उत्पादों की उत्कृष्ट गुणवत्ता और कम कीमत से काफी लाभान्वित हो रहे हैं। फलस्वरूप ये लोग पहले की तुलना में आज अपेक्षाकृत उच्च जीवन जी रहे हैं। उनके पास सभी सुविधाएँ हैं।

28. आधुनिक मुद्रा को, जिसका अपना कोई उपयोग नहीं हैं, विनिमय का माध्यम क्यों स्वीकार किया जाता है? कारण ज्ञात दीजिए। 3

उत्तर :

भारत में मुद्रा के आधुनिक रुपों में करेंसी, कागज के नोट और सिक्के शामिल हैं। आधुनिक मुद्रा को विनिमय का माध्यम स्वीकार किया गया है क्योंकि–

1. किसी देश की सरकार इसे प्राधिकृत करती हैं।
2. भारतीय रिजर्व बैंक आधुनिक मुद्रा जारी करता हैं।
3. यह साख का आधार है।
4. यह राष्ट्रीय आय का वितरण हैं।

खण्ड–ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

29. जर्मनी के एकीकरण की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर :

जर्मनी के एकीकरण का आरंभ प्रशा के सिंहासन पर विलियम प्रथम के आसीन होने से हुआ। उसने बिस्मार्क को अपना प्रधानमंत्री नियुक्त किया। बिस्मार्क ने प्रशा को सैनिक शक्ति बनाया और जर्मनी के एकीकरण की भूमिका तैयार की।

जर्मनी के एकीकरण का विचार वियना कांग्रेस के बाद जोर पकड़ने लगा। वियना संधि के अनुसार जर्मनी को 30 राज्यों

को एक ढीले–ढाले संघ में बदला गया। जर्मन देशभक्तों ने इस मंच को दृढ़ बनाने के अनेक प्रयास किए। 1848 की क्रांति के मध्य फ्रेंकफर्ट की पार्लियामेंट ने जर्मनी को एकता के सूत्र में बाँधने का प्रयास किया परंतु प्रशा के राजा के कारण यह लक्ष्य पूरा न हो सका।

वास्तव में जर्मनी के एकीकरण के मार्ग में अनेक बाधाएँ थीं। आस्ट्रिया इस एकीकरण के विरुद्ध था तथा फ्रांस के लिए संयुक्त जर्मनी एक खतरा था। स्वयं अनेक जर्मनवासी भी इस एकता के विरुद्ध थे।

इन सब बाधाओं को बिस्मार्क ने दूर किया। वह 1862 ई. में जर्मनी का प्रधानमंत्री बना। उसने जर्मनी की सैनिक शक्ति में वृद्धि की और आस्ट्रिया को अपना मित्र बनाया। दोनों ने मिलकर डेनमार्क से युद्ध किया और युद्ध से प्राप्त उपनिवेशों (डचियों) की आड़ लेकर उसने 1866 ई. में आस्ट्रिया से युद्ध किया। जर्मनी के एकीकरण में आस्ट्रिया ही सबसे बड़ी बाधा था। बिस्मार्क ने विश्व की शक्तियों को तटस्थ किया और आस्ट्रिया को सेडोवा में पराजित कर दिया। युद्ध के पश्चात् मेन नदी के उत्तर में स्थित सभी जर्मन रियासतों को मिलाकर उत्तरी जर्मनी नामक एक राज्य संघ की स्थापना की। 1867 ई. में इसमें मकेलनवर्ग तथा सैक्सनी को भी मिला दिया गया।

1871 ई. में फ्रांस को पराजित करने के पश्चात् जर्मनी के दक्षिणी राज्य बवेरिया, नडेन, व्यूर्टवर्ग आदि भी जर्मन साम्राज्य में सम्मिलित हो गए। प्रशा के राजा को समस्त जर्मनी का सम्राट घोषित किया गया। इस प्रकार जर्मनी यूरोप के मानचित्र में एक राष्ट्र के रूप में उभरा।

अथवा

संक्षेप में राष्ट्रवाद का अर्थ बताइए। 1830 के दशक के बाद यूरोप में विकसित राष्ट्रवाद की विशेषताओं को लिखिए।

उत्तर :

1. **राष्ट्रवाद का अर्थ–** किसी देश में रहने वाले लोगों की वह भावना जो उन्हें राष्ट्रहित और राष्ट्रभक्ति के लिए प्रेरित करती है। इस भावना के कारण ही लोग संकीर्ण धार्मिक, प्रजातीय या जातिगत भावनाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में तन–मन–धन अर्पित करने के लिए तत्पर रहते हैं।
2. **1830 के बाद यूरोप में व्याप्त राष्ट्रवाद की विशेषताएँ–**

(a) **1789 की क्रांति का प्रभाव–** फ्रांसीसी क्रांति (1789) ने 1815 से लेकर 1870 तक सभी देशों के लोगों में राष्ट्रीयता की भावनाएँ जगाईं।

(b) **लोकतंत्र तथा स्वतंत्रता के लिए हुए प्रयास–** यूरोप के ऐसे देशों में जिन्होंने राष्ट्रीय एकता एवं स्वतंत्रता पहले ही प्राप्त कर ली थी (जैसे– इंग्लैंड, फ्रांस, स्पेन, स्वीडन, रूस आदि।) लोगों ने लोकतंत्र के बुनियादी सुधारों पर ध्यान दिया। बेल्जियम, नार्वे, आयरलैंड, पोलैंड तथा बाल्कन राज्यों के लोगों ने स्वतंत्रता के लिए आंदोलन आरंभ कर दिए। भिन्न–भिन्न राज्यों में बँटे हुए लोगों ने एकीकरण के लिए आंदोलन किए, जैसे– इटली और जर्मनी।

(c) **सीमाओं एवं जातिगत अहंकार से ऊपर–** यह राष्ट्रवाद राष्ट्र विशेष की सीमाओं और जातिगत अहंकार से परे था। क्रांतिकारी केवल अपने देश में अपनी स्वतंत्रता या नागरिक अधिकारों के लिए नहीं लड़ रहे थे बल्कि उन्होंने यूरोप के उन सभी देशों के राजनीतिक वातावरण के खिलाफ आवाज उठाई जो अधिनायकवादी राजतंत्र के अधीन घुट–घुट कर साँस ले रहे थे।

(d) **शासकों के द्वारा जन–भावनाओं का ध्यान रखने का वायदा–** 1830 में फ्रांस का पहला शासक इंग्लैंड भाग गया और लुई फिलिप उसका उत्तराधिकारी बना। उसने लोगों को वायदा किया कि वह उसकी इच्छानुसार ही शासन करेगा। बेल्जियम के निवासियों ने भी स्वतंत्रता आंदोलन चलाए और दक्षिण नीदरलैंड के निवासियों ने फ्रांसीसी, स्पेनिश तथा कैथोलिक निवासियों के विरुद्ध जंग छेड़ दी।

30. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यान से पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें– $1 + 2 + 2 = 5$

बेल्जियम यूरोप का एक छोटा–सा देश है, क्षेत्रफल में हमारे हरियाणा राज्य से भी छोटा। इसकी सीमाएँ फ्रांस, नीदरलैंड, जर्मनी और लक्समबर्ग से लगती हैं। इसकी आबादी एक करोड़ से थोड़ी अधिक है यानी हरियाणा की आबादी से करीब आधी

इस छोटे से देश के समाज की **जातीय** बुनावट बहुत जटिल है। देश की कुल आबादी का 59 फ़ीसदी हिस्सा फ्लेमिश इलाके में रहता है और डच बोलता है। शेष 40 फ़ीसदी लोग वेलोनिया क्षेत्र में रहते हैं और फ्रेंच बोलते हैं। शेष एक फ़ीसदी लोग जर्मन बोलते हैं। राजधानी ब्रूसेल्स के 80 फ़ीसदी लोग फ्रेंच बोलते हैं और 20 फ़ीसदी लोग डच भाषा।

अल्पसंख्यक फ्रेंच–भाषी लोग तुलनात्मक रूप से ज्यादा समृद्ध और ताकतवर रहे हैं। बहुत बाद में जाकर आर्थिक विकास और शिक्षा का लाभ पाने वाले डच–भाषी लोगों को इस स्थिति से नाराज़गी थी। इसके चलते 1950 और 1960 के दशक में फ्रेंच और डच बोलने वाले समूहों के बीच तनाव बढ़ने लगा। इन दोनों समुदायों के टकराव का सबसे तीखा रूप ब्रूसेल्स में दिखा। यह एक विशेष तरह की समस्या थी। डच बोलने वाले लोग संख्या के हिसाब से अपेक्षाकृत ज्यादा थे लेकिन धन और समृद्धि के मामले में कमज़ोर और अल्पमत में थे।

30.1 अल्पसंख्यक फ्रेंच भाषी लोग तुलनात्मक रूप से अधिक समृद्ध तथा शक्तिशाली क्यों थे?

30.2 बेल्जियम की जातीय संरचना बहुत जटिल है। कैसे? व्याख्या करें।

30.3 "डच एवं फ्रेंच भाषी लोगों का बेल्जियम में होना

एक जातीय तनाव उत्पन्न करता था।" कथन की व्याख्या करें।

उत्तर :

30.1 क्योंकि वे अधिक शिक्षित थे और उन्हें आर्थिक विकास का लाभ प्राप्त हुआ था।

30.2

(a) इस छोटे से देश के समाज की जातीय बनावट बहुत जटिल है।

(b) देश की कुल आबादी का 59 फीसदी हिस्सा फ्रेंच इलाके में रहता है और डच भाषा बोलता है।

(c) 40 फीसदी लोग वेलोनिया क्षेत्र में रहते हैं और फ्रेंच बोलते हैं।

(d) शेष एक फीसदी लोग जर्मन भाषा बोलते हैं।

(e) राजधानी ब्रूसेल्स के 80 प्रतिशत लोग फ्रेंच बोलते हैं और 20 प्रतिशत लोग डच भाषा।

30.3 बेल्जियम में संघर्ष के कारण–

(a) अल्पसंख्यक फ्रेंच भाषी समुदाय अपेक्षाकृत धनी एवं शक्तिशाली थे।

(b) इसका डच भाषी विरोध करते थे। उन्हें आर्थिक विकास एवं शिक्षा का लाभ देर से मिला।

(c) इसने डच और फ्रेंच भाषी समुदायों के बीच तनाव उत्पन्न किया।

31. लाल व काली मृदा में कोई पाँच अंतर स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर :

	लाल मृदा	काली मृदा
1.	लाल मृदा का निर्माण पुरानी रवेदार चट्टानों के अपक्षय के कारण होता है।	इस मृदा का निर्माण दक्कन अथवा लावा पठार की बैसाल्ट चट्टानों के अपक्षय एवं विघटन से हुआ है।
2.	यह लाल रंग की दिखती है।	इसका रंग काला होता है।
3.	यह दक्कन पठार के पूर्वी एवं दक्षिणी हिस्सों में पाई जाती है।	यह उत्तरी–पश्चिमी दक्कन पठार में पाई जाती है।
4.	यह मृदा सामान्यतः कम उपजाऊ होती है किंतु सिंचाई की उपयुक्त सुविधा उपलब्ध होने पर यह अच्छा उत्पादन देती है।	यह मृदा बहुत उपजाऊ होती है।
5.	यह मृदा चावल, बाजरे आदि की खेती के लिए उपयुक्त होती है।	यह मृदा कपास तथा गन्ने की खेती के लिए उपयुक्त होती है।

32. भारतीय संघ में केन्द्र और राज्यों के संबंधों में आए परिवर्तनों का वर्णन कीजिए। 5

उत्तर :

1. काफी समय तक हमारे यहाँ केंद्र तथा बहुत से राज्यों में एक ही पार्टी (कांग्रेस) का वर्चस्व बना रहा। राज्य सरकारों ने स्वायत्त संघीय इकाई के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग लगातार तीन दशक तक नहीं किया।
2. जब केन्द्र और राज्यों में अलग–अलग राजनीतिक दलों की सरकारें रहीं तो केन्द्र सरकार ने संवैधानिक प्रावधानों का दुरूपयोग करके विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को भंग करना आरंभ किया। यह संघवाद की भावना के प्रतिकूल काम था।
3. 1990 के बाद से देश के अनेक राज्यों में क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ और यहाँ से केन्द्र में गठबंधन सरकारें बननी आरंभ हुई।
4. किसी एक दल को लोकसभा में स्पष्ट बहुमत न मिलने के कारण प्रमुख राष्ट्रीय पार्टियों ने क्षेत्रीय दलों समेत अनेक पार्टियों के साथ गठबंधन करके सरकार बनाई।
5. भारत में सत्ता में भागीदारी और राज्य सरकारों की स्वायत्तता का आदर करने की नई संस्कृति पनपी। उच्चतम न्यायालय ने अपने एक फैसले से राज्य सरकार को मनमाने ढंग से भंग करने पर पाबंदी लगा दी थी। आज सत्ता की भागीदारी भारत की संघात्मक व्यवस्था में हावी हो चुकी है। अब केन्द्र और राज्यों के सम्बन्ध सुधरने लगे हैं।

33. सकल घरेलू उत्पाद क्या हैं? सकल घरेलू उत्पाद की गणना करने के लिए हम विभिन्न वस्तुओं तथा सेवाओं को कैसे गिनते हैं? उदाहरण सहित समझाएँ। 5

उत्तर :

सकल घरेलू उत्पाद–यह एक देश में एक वर्ष में उत्पादित अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं का बाजार मूल्य हैं।

सकल घरेलू उत्पाद की गणना–सकल घरेलू उत्पाद की गणना में वस्तुओं तथा सेवाओं का निम्न प्रकार से व्यवहार किया जाता है–

1. सकल घरेलू उत्पाद की गणना करते समय सभी प्रकार की सेवाओं को शामिल किया जाता हैं।
2. जहाँ तक वस्तुओं के शामिल होने का सम्बन्ध है, केवल अंतिम वस्तुएँ ही ली जाती हैं। मध्यवर्ती वस्तुओं को शामिल नहीं किया जाता क्योंकि मध्यवर्ती वस्तुओं को शामिल करने से दोहरी गणना हो जाती है।

उदाहरण– माना एक किसान गेहूँ का उत्पादन करता है और उसे ₹4000 में आटा मिल मालिक को बेच देता हैं। आटा मिल मालिक उसका आटा बना कर उसे ₹6,000 में डबल रोटी बनाने वाले को बेच देता है। डबल रोटी वाला उसकी डबल रोटी बनाकर उसे ₹8,000 में दुकानदार को बेच देता

है। दुकानदार डबल रोटियों को अंतिम उपभोक्ता को ₹ 9,000 में बेच देता हैं। इस प्रकार–

उत्पादन का मूल्य

$$= 4000 + 6000 + 8000 + 9000$$
$$= ₹27000$$

दोहरी गणना के कारण उत्पादन का मूल्य बढ़ कर ₹ 27,000 हो जाता हैं, जबकि वास्तव में केवल ₹9,000 के मूल्य का उत्पादन हुआ हैं। इसका कारण यह है कि गेहूँ का मूल्य चार बार, आटे का मूल्य तीन बार, बेकरी वाले की सेवाओं का मूल्य दो बार जोड़ा गया हैं। अन्य शब्दों में गेहूँ का मूल्य तथा आटा बनाने वाले और बेकरी वाले की सेवाओं का मूल्य दो बार जोड़ा गया हैं।

अथवा

पिछले 30 वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था का तृतीयक क्षेत्रक सर्वाधिक उत्पादक क्यों बना? कारण बताइए।

उत्तर :

इस उपलब्धि के पीछे कई कारण हैं जिनमें से कुछ प्रमुख कारण निम्न प्रकार है–

1. भारत सरकार के साथ ही राज्य सरकारों और पंचायती राज संस्थाओं ने इस क्षेत्रक को प्रोत्साहित किया हैं। सामाजिक और ढ़ाँचागत सुविधाओं के प्रोन्नयन और विस्तार के लिए समय–समय पर अनुदान, निधियाँ तथा चन्दे की राशियाँ बड़ी मात्रा में दी जाती हैं। इन सुविधाओं के लिए ग्रामीण तथा शहरी इलाकों में बड़ी संख्या में श्रमिक, कार्यकर्ता, विशेषज्ञ और व्यवसायियों की सेवाएँ आवश्यक होती हैं।
2. भारत ने बीसवीं शताब्दी के अंतिम दशक से नई आर्थिक नीति, भूमंडलीकरण, उदारीकरण तथा मुक्त व्यापार की नीतियों को अपनाया है। भूमंडलीकरण और उदारीकरण के कारण भारत के चिकित्सक, अभियंता, अध्यापक तथा तकनीकीविद जैसे विशेषज्ञों एवं व्यवसायियों की विश्व के अन्य देशों में भारी माँग हैं। ये विशेषज्ञ तथा व्यवसायी राष्ट्रीय और प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने, अंतर्राष्ट्रीय विनिमय तथा व्यापार विस्तार करने और अन्य भुगतानों को निपटाने के लिए आवश्यक विदेशी मुद्रा को कमा कर भारत ला रहे हैं।
3. वैज्ञानिक खोजों/आविष्कारों, नई खोजों, नवीनतम प्रौद्योगिकी के आगमन तथा भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों की स्थापना के कारण सेवा क्षेत्रक का तीव्र गति से विकास हो रहा है। कुछ भारतीय व्यापार घरानों तथा कंपनियों ने विश्व के अन्य देशों में अपने उद्योग स्थापित कर लिए हैं। इन कारणों से तृतीयक क्षेत्रक हमारे देश का सर्वाधिक उत्पादक क्षेत्रक बन पाया हैं।
4. इन्टरनेट सेवाओं, वेबसाइट, ई–मेल सेवाओं तथा जन–संचार साधनों के कारण लोगों को रोजगार के नए अवसरों और पदोन्नति नियमों की विशेष जानकारी मिल रही है। नौकरी पेशा वर्ग को नए पदों का अवसर कई एजेन्सी (दलाली के आधार पर) प्रदान कर रही हैं।
5. अन्य कारण उदारीकरण, नए अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक कार्यक्रम तथा नीतियाँ, सूचना प्रौद्योगिकी का प्रोन्नयन, वित्तीय संसाधनों का पारस्परिक विनिमय, कच्चा माल, परिवहन के नए साधनों का खोला जाना तथा विकासशील और विकसित देशों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कुछ अन्य कारण हैं जिन्होंने पिछलें 30 वर्ष की अवधि में तृतीयक क्षेत्रक को भारत का सर्वाधिक उत्पादक क्षेत्रक बनाया हैं।

34. धारणीयता का विषय विकास के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण है? 5

उत्तर :

धारणीयता से अभिप्राय है सतत पोषणीय विकास अर्थात् ऐसा विकास जो वर्तमान पीढ़ी तक ही सीमित न रहे बल्कि आगे आने वाली पीढ़ी को भी मिले। वैज्ञानिकों का कहना है कि हम संसाधनों का जैसे प्रयोग कर रहे है, उससे लगता है कि संसाधन शीघ्र समाप्त हो जाएँगे और आगे आने वाली पीढ़ी के लिए नहीं बचेंगे। यदि हमें विकास को धारणीय बनाना है अर्थात् निरंतर जारी रखना है, तो हमें संसाधनों का प्रयोग इस तरह से करना होगा जिससे विकास की प्रक्रिया निरंतर जारी रहे और भावी पीढ़ी के लिए संसाधन बचे रहें।

धारणीयता की अवधारणा विकास के लिए निम्न कारणों से महत्त्वपूर्ण है–

1. यह भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखती है।
2. यह प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण प्रयोग करने में प्रोत्साहित करती है।
3. यह गुणवत्तापूर्ण जीवन को महत्त्व देती है।

मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

35. (a) भारत के दिए गए रूपरेखा मानचित्र में दो स्थानों को A और B से दिखाया गया है। इन स्थानों को निम्नलिखित जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए– 2

(A) वह स्थान, जहाँ दिसम्बर, 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ।

(B) वह स्थान, जहाँ 22 पुलिसवालों को हिंसक भीड़ द्वारा जला दिया था और इस कारण गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन को वापिस ले लिया था।

(b) भारत के उसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं चार को उपयुक्त चिन्हों से दिखाए और उनके नाम लिखें– 4

(i) सिंगरौली – तापीय ऊर्जा संयंत्र

(ii) काकरापारा –आण्विक ऊर्जा संयंत्र

(iii) कानपुर – सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र

(iv) बोकारो – लोहा और इस्पात संयंत्र
(v) गांधीनगर – सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क
(vi) तूतीकोरिन – प्रमुख समुद्री पत्तन

उत्तर

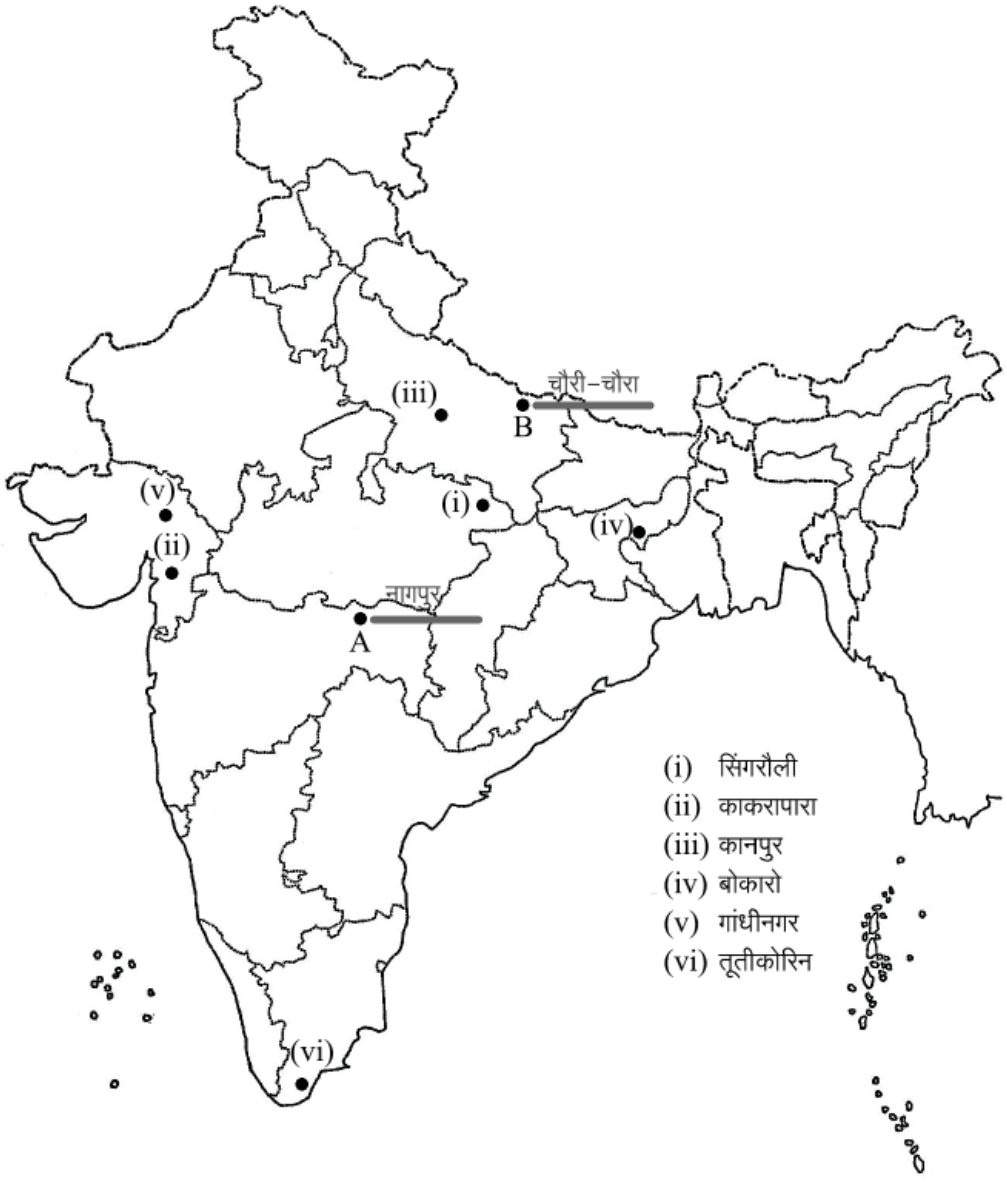

WWW.CBSE.ONLINE
Download Unsolved version of this paper from
www.cbse.online